मेघ आए (सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

पाठ का परिचय

ग्राम्य संस्कृति अपने आपमें अनूठी, अमूल्य और आह्लादकारी है। प्रस्तुत कविता 'मेघ आए' में कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना ने इसी ग्राम्य संस्कृति की एक झलक प्रस्तुत की है। ग्राम्य संस्कृति में अतिथि सत्कार का बड़ा महत्त्व है, इस पर भी अतिथि यदि दामाद हो तो कहना ही क्या। कवि ने इस कविता में मेघों के आगमन की तुलना सज-धजकर ससुराल में आए दामाद से करते हुए बताया है कि उस समय दामाद के स्वागत-सत्कार में घर-परिवार का

वातावरण अत्यंत उल्लासमय हो जाता है। ग्राम्य संस्कृति के इसी उल्लास को कवि ने मेघों के माध्यम से चित्रित किया है।

कविता का भावार्थ

मेघ आए

1. **मेघ आए बड़े बन-ठन .... के सँवर के।**

भावार्थ—कवि कहता है—देखो तो मेघ कितनी सज-धज के साथ और सुंदर वेश धारण करके आए हैं। उनके स्वागत में आगे-आगे नाचती-गाती हवा चल पड़ी है। मेघों के सौंदर्य को निहारने के लिए लोगों ने अपने खिड़कियाँ और दरवाज़े खोल लिए हैं। गली-गली का यही नज़ारा है। मेघ इस प्रकार बड़े बन-सँवरकर आए हैं, मानो शहर के मेहमान अर्थात् दामाद अपनी पूरी सज-धज के साथ गाँव में आए हैं।

कवि का तात्पर्य यह है कि वर्षा-ऋतु के आगमन पर बादल आकाश में छा गए हैं। बादलों के आकाश में छा जाने से हवा में भी मस्ती भर गई है। वह भी बादलों के आगे-आगे मस्त होकर बह रही है। घिरे हुए बादलों को देखने और वर्षा की पहली बूँद की प्रतीक्षा में लोगों ने अपने खिड़की-दरवाज़े खोल लिए हैं।

2. **पेड़ झुक झाँकने .... के सँवर के।**

भावार्थ—इस पद्यांश में कवि कहता है—बादल आकाश में सज-धज के साथ आ गए हैं। आँधी चलने लगी है। तेज़ हवा के झोंकों से पेड़ ऐसे झुक गए हैं, मानो वे गरदन उचकाकर मेघों की ओर झाँकने लगे हों। धूल के बगूले इस तरह उड़ रहे हैं, मानो कोई गाँव की कन्या मेघों के आने के उत्साह में अपना घाघरा उठाए घर की ओर भागी चली जा रही हो। मानो वह मेघरूपी पाहुने के पहुँचने से पहले घर पहुँचना चाहती हो। नदी मेघों को तिरछी नज़रों से देखकर ठिठक-सी गई है। स्त्रियों ने अपने घूँघट खोल दिए हैं। आशय यही है कि आकाश में मेघों के आने और तेज़ हवा के चलने से गाँववासी उल्लास में भर गए हैं। नदी का मोड़ बड़ा आकर्षक लग रहा है।

3. **बूढ़े पीपल ने आगे .... के सँवर के।**

भावार्थ—कवि आकाश में बादलों को देखकर कल्पना में खो जाता है और कहता है—आकाश में बादल सज-सँवरकर आ गए हैं। पीपल के बूढ़े पेड़ ने अपने पत्तों की खड़खड़ाहट के द्वारा उसे नमस्कार किया। गरमी से व्याकुल लता, किवाड़ के पीछे छिपकर उलाहनाभरे स्वर में बोली—रे मेघ! तुझे तो पूरे एक बरस बाद हमारी याद आई है। मेघों के आगमन से हर्षित हुआ गाँव का तालाब परात में पानी भरकर लाया है, ताकि वह मेघरूपी मेहमान के पैर धोकर उसका स्वागत कर सके। आशय यह है कि वर्षा-ऋतु के मेघ आकाश में छा गए हैं। पीपल का पुराना पेड़ ठंडी हवा के झोंकों से झुका जा रहा है। गरमी से सूखती लताएँ पानी बरसने की संभावना से उत्कंठित हैं। तालाब का जल, वायु के वेग से लहरें मार रहा है। संक्षेप में चारों ओर प्रकृति प्रसन्न है।

4. **क्षितिज अटारी गहराई .... के सँवर के।**

भावार्थ—कवि कहता है—आकाश में बादल इस तरह सघन होकर छाए हुए हैं, जैसे कोई अतिथि (पाहुना) सज-सँवरकर आया हो। पाहुने के प्रथम आगमन पर उसको देखने के लिए अटारी पर महिलाओं का जमघट लग जाता है। क्षितिजरूपी अटारी पर चढ़कर बिजलीरूपी कामनियों की आँखें चमक उठी हैं। ओ बादलो! क्षमा करो। हमारा भ्रम टूट गया। हमारी शंका समाप्त हो गई। हमें संदेह था कि तुम नहीं बरसोगे, परंतु हमसे मिलकर तो तुम्हारे धैर्य का बाँध ही टूट गया और तुम्हारी आँखों से मिलन की खुशी के आँसू झरने लगे अर्थात् मूसलाधार वर्षा होने लगी। वर्षा के बादल सज-सँवरकर आकाश में छा गए हैं।

आशय यही है कि आकाश में चारों दिशाओं में बादलों का जमघट दिखाई दे रहा है और बिजली की चमक के साथ अब उनसे धारासार वर्षा होने लगी है।

भाग-1

बहुविकल्पीय प्रश्न

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निर्देश—*निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए*—

(1) मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

1. **बन-ठन के सँवर के कौन आया है–**
(क) राजकुमार (ख) मेहमान
(ग) राजा (घ) मेघ।

2. **आगे-आगे कौन नाचती-गाती चली–**
(क) नर्तकी (ख) गाँव की स्त्रियाँ
(ग) हवा (घ) इनमें से काई नहीं।

3. **गली-गली क्या होने लगा–**
(क) सफ़ाई होने लगी (ख) सजावट होने लगी
(ग) दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं (घ) गीत गाए जाने लगे।

4. **मेघों के आने की तुलना किससे की है–**
(क) गाँव में शहर के मेहमान के आने से
(ख) राजा की सवारी के आने से
(ग) किसी महंत के आगमन से
(घ) उपर्युक्त कोई नहीं।

5. **'मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के' में अलंकार है–**
(क) यमक (ख) मानवीकरण
(ग) अतिशयोक्ति (घ) उपमा।

उत्तर– **1.** (घ) **2.** (ग) **3.** (ग) **4.** (क) **5.** (ख)।

(2) पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

1. **कौन गरदन उचकाकर झाँकने लगे–**
(क) बंदर (ख) पेड़
(ग) गाँव के लोग (घ) गाँव की स्त्रियाँ।

2. **धूल कैसे भाग रही है–**
(क) नंगे पाँव (ख) साड़ी उठाकर
(ग) घाघरा उठाकर (घ) हाथ उठाकर।

3. **मेघों को बाँकी चितवन उठाकर कौन देख रहा है–**
(क) नववधु (ख) नदी
(ग) गाँव की स्त्रियाँ (घ) इनमें से कोई नहीं।

4. 'नदी ठिठकी' का आशय है–
(क) नदी में बाढ़ आ गई है
(ख) नदी खड़ी हो गई है
(ग) गरमी के कारण नदी की धारा सूखकर रुक गई है
(घ) उपर्युक्त सभी।

5. 'घाघरा' क्या है–
(क) सिर पर ओढ़ने का वस्त्र
(ख) एक प्रकार की चादर
(ग) ग्रामीण स्त्रियों का स्कर्टनुमा पहनावा
(घ) पैरों में पहनने का आभूषण।

उत्तर– 1. (ख) **2.** (ग) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.** (ग)।

(3) बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की,
'बरस बाद सुधि लीन्हीं'-
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

1. मेघरूपी मेहमान का स्वागत किसने किया–
(क) बूढ़े आम ने (ख) बूढ़े बरगद ने
(ग) बूढ़े पीपल ने (घ) बूढ़े नीम ने।

2. 'बरस बाद सुधि लीन्हीं' में कौन-सा भाव निहित है–
(क) व्यंग्य का (ख) उपालंभ का
(ग) क्रोध का (घ) प्रसन्नता का।

3. लता किसकी ओट में होकर बोली–
(क) दीवार की (ख) परदे की
(ग) किवाड़ की (घ) इनमें से कोई नहीं।

4. परात में पानी भरकर कौन लाया–
(क) तालाब (ख) कुआँ
(ग) सागर (घ) इनमें कोई नहीं।

5. ताल परात में पानी भरकर क्यों लाया–
(क) मेघरूपी मेहमान को पिलाने के लिए
(ख) मेघरूपी मेहमान को नहलाने के लिए
(ग) मेघरूपी मेहमान के चरण धोने के लिए
(घ) स्वयं स्नान करने के लिए।

उत्तर– 1. (ग) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (क) **5.** (ग)।

पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

1. 'मेघ आए' कविता के कवि का नाम है–
(क) सुमित्रानंदन पंत (ख) केदारनाथ अग्रवाल
(ग) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (घ) श्रीधर पाठक।

2. 'मेघ आए' कविता में किसका वर्णन है–
(क) आँधी के आने का (ख) मेघों के आने का
(ग) गरमी के आने का (घ) सरदी के आने का।

3. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का जन्म कब हुआ–
(क) सन् 1920 में (ख) सन् 1925 में
(ग) सन् 1927 में (घ) सन् 1930 में।

4. मेघों के आने का बयार पर क्या प्रभाव पड़ा–
(क) वह मंद गति से चलने लगी
(ख) वह बिलकुल रुक गई
(ग) वह आगे-आगे नाचती-गाती चलने लगी
(घ) वह गरम हो गई।

5. गली-गली में खिड़कियाँ-दरवाज़े क्यों खुलने लगे–
(क) ठंडी हवा के लिए
(ख) रास्ते में आते-जाते लोगों को देखने के लिए
(ग) बादल को देखने के लिए
(घ) उपर्युक्त कोई कारण ठीक नहीं।

6. मेघों के आगमन के माध्यम से कवि ने किसका वर्णन किया है–
(क) ग्रामीण रीति-रिवाज़ों का (ख) शहरी परंपराओं का
(ग) विदेशी रीति-रिवाज़ों का (घ) वर्षा की समाप्ति का।

7. बूढ़ा पीपल किसका प्रतीक है–
(क) देवता का
(ख) गाँव के सम्मानीय बुजुर्ग का
(ग) छायादार वृक्ष का
(घ) अतिथि का।

8. ताल क्यों प्रसन्न हो गया–
(क) बादल को देखकर
(ख) मेघ बरसने से उसमें पानी भर गया था
(ग) मेहमान को देखकर
(घ) हवा को देखकर।

9. 'ताल' किसका प्रतीक है–
(क) गृहस्वामी का (ख) सेवक का
(ग) मित्र का (घ) घर के बालक का।

10. 'अकुलाई लता' किसका प्रतीक है–
(क) घर की वृद्धा का (ख) पड़ोसन का
(ग) नववधु का (घ) सखी का।

11. कविता में किस-किसका मिलन हुआ–
(क) राजा और रानी का (ख) पति और पत्नी का
(ग) प्यासी धरती और बादलों का (घ) दो बिछड़े मित्रों का।

12. 'बाँध टूटा' का क्या अर्थ है–
(क) बाढ़ आ जाना
(ख) भावुक होकर धैर्य खो देना
(ग) संरक्षित पानी का बह जाना
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

13. 'बयार' किसका पर्यायवाची है–
(क) बादल का (ख) जल का
(ग) हवा का (घ) आकाश का।

14. कविता में मुख्य अलंकार कौन-सा है–
(क) अनुप्रास (ख) यमक
(ग) श्लेष (घ) मानवीकरण।

15. 'पाहुन' किसे कहते हैं–
(क) मित्र को (ख) शत्रु को
(ग) अतिथि को (घ) धनवान को।

उत्तर– 1. (ग) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (ग) **5.** (ग) **6.** (क) **7.** (ख) **8.** (ख) **9.** (ख) **10.** (ग) **11.** (ग) **12.** (ख) **13.** (ग) **14.** (घ) **15.** (ग)।

भाग-2

वर्णनात्मक प्रश्न

काव्य-बोध परखने हेतु प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

प्रश्न 1 : कविता में मेघ का आगमन किस रूप में हुआ है?

उत्तर : कविता में मेघ का आगमन शहर में रहने वाले एक सजे-सँवरे

अतिथि (पाहुने) के रूप में हुआ है। शहर में रहने वाला अतिथि या दामाद जैसे कार्य-व्यस्तता के कारण साल में एक-दो ही बार ससुराल जाने का अवसर निकाल पाता है, वैसे ही मेघ भी एक बरस बाद ही गाँव पहुँचा है, उसने सबको लंबी प्रतीक्षा करवाई है।

प्रश्न 2 : गली-गली में दरवाज़े-खिड़कियाँ क्यों खुलने लगे?

उत्तर : मेघों को आकाश में छाया हुआ देखने और वर्षा के आगमन का आनंद लूटने के लिए गली-गली में दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगे। लोग दरवाज़े खोलकर बाहर आने लगे तथा औरतें-बच्चे खिड़कियों से झाँकने लगे। यह प्रतिक्रिया बड़ी स्वाभाविक है; क्योंकि मेघ बड़ी प्रतीक्षा के बाद आए हैं–पूरे एक साल बाद।

प्रश्न 3 : बादलों के आने पर प्रकृति में जिन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया है, उन्हें लिखिए।

उत्तर : बादलों के आने पर प्रकृति में निम्नलिखित गतिशील क्रियाएँ हुईं–

(i) बयार नाचती-गाती चलने लगी।
(ii) पेड़ झुकने लगे, झूमने लगे, मानो गरदन उचकाकर वे बादलों को निहार रहे हों।
(iii) आँधी चलने लगी; धूल उठने लगी।
(iv) तालाब के जल में तेज़ हवा चलने से लहरें उठने लगीं।
(v) क्षितिज पर बिजली चमकने लगी।
(vi) धैर्य का बाँध टूटने से वर्षारूपी आँसू बहने लगे।

प्रश्न 4 : लता ने बादलरूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

उत्तर : लता ने बादलरूपी मेहमान को किवाड़ की ओट में छिपकर देखा; क्योंकि वह मानिनी नायिका है। अपने प्रियतम के बहुत दिनों के बाद उसके पास आने और दर्शन न देने से उस पर मीठा क्रोध जता रही है। न तो वह देखे बिना रह पाती है और न ही अपनी व्याकुलता को प्रकट करना चाहती है।

प्रश्न 5 : मेघरूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

उत्तर : मेघरूपी मेहमान के आने से बयार बहने लगी। धूलभरी आँधी चलने लगी। पेड़ झुकने लगे। नदी के जल में तेज़ लहरें उठने लगीं, जिससे वह ठिठकी हुई-सी लगी। पीपल का पुराना पेड़ खड़खड़ाहट के स्वर के साथ झूमने लगा। लताएँ पेड़ की ओट में छिपने-शरमाने लगीं। तालाब तरंगायित हो उठे। आकाश में बिजली चमकने लगी और फिर अंत में खूब ज़ोरों की बारिश होने लगी।

प्रश्न 6 : मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर : मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात इसलिए कही गई है; क्योंकि उमड़ते मेघ आसमान में अपनी पूरी श्यामल छटा के साथ उपस्थित हैं। सूरज के प्रकाश के संयोग से प्रतिपल उनके रंग में परिवर्तन हो रहा है। प्रतिपल उनका आकार परिवर्तित हो रहा है। इससे ऐसा लगता है, मानो मेघ रंग-बिरंगे वस्त्र धारण करके खूब बन-सँवरकर आए हैं।

प्रश्न 7 : कविता में जिन रीति-रिवाज़ों का मार्मिक चित्रण हुआ है, उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर : कविता में भारत के एक ग्रामीण परिवार में, उसके शहरी दामाद के आने पर छाए उल्लास का वर्णन है। गाँव वालों की शहरी लोगों के प्रति जिज्ञासा, कुतूहल आदि का सुंदर चित्रण हुआ है। मेहमान के आने पर घर के बुज़ुर्ग का उसे झुककर अभिवादन करना, घर के सदस्य का उसके पैरों को धोने के लिए परात में पानी भरकर लाना आदि कार्य भारतीय आतिथ्य परंपरा का परिचय देते हैं। इससे ग्रामवासियों के 'अतिथि देवो भव' के निर्वाह का भी पता चलता है। ग्रामीण युवतियों का घूँघट की ओट से देखना शालीनता और परदा प्रथा का परिचय देता है।

प्रश्न 8 : कविता में कवि ने आकाश में बादल और गाँव में मेहमान (दामाद) के आने का जो रोचक वर्णन किया है, उसे लिखिए।

उत्तर : मेघरूपी शहरी पाहुन (दामाद) के आते ही पूरे गाँव में उल्लास छा जाता है। गाँवों के परिवारों में आत्मीय संबंध होते हैं। किसी एक परिवार की बेटी, पूरे गाँव की बेटी होती है। इसलिए किसी भी परिवार के दामाद को पूरा गाँव सम्मान देने दौड़ पड़ता है। शीतल बयार नाचती गाती, मानो अपना उत्साह और खुशी प्रकट करती आगे-आगे चलने लगी। गाँव वालों के घरों की स्त्रियाँ अपने-अपने खिड़की-दरवाज़े खोल-खोलकर झाँकने लगीं, जिससे वे पाहुन के दर्शन कर सकें। पेड़ भी उचक-उचककर झाँकने लगे। धूलरूपी कोई अल्हड़ किशोरी पाहुन के घर पहुँचने से पहले घर पहुँचने की इच्छा के कारण अपना घाघरा उठाए दौड़ चली। नदी किसी नवोढ़ा की भाँति अपनी बाँकी अदा से ठिठककर पाहुन की सज-धज निहारने लगी। गाँव के पुराने पीपल के पेड़ ने वृद्ध की तरह झुककर अभिवादन किया। लता संकोचवश पेड़ की ओट लेकर मनुहार करने लगी कि आपको (मेघ को) पूरे एक वर्ष बाद हमारी सुधि आई। गाँव का तालाब पाहुन के पैर धोने के लिए परात में पानी लेकर उपस्थित हो गया। क्षितिजरूपी अटारी स्त्रियों से भर गई। बिजली चमकने लगी। धारासार वर्षा होने लगी। सारा गाँव प्रसन्न हो उठा।

प्रश्न 9 : अतिथियों में किस अतिथि को सर्वाधिक सम्मान दिया जाता है?

उत्तर : अतिथियों में पाहुन अर्थात् दामाद को सर्वाधिक सम्मान दिया जाता है।

प्रश्न 10 : 'धूल भागी घाघरा उठाए' पंक्ति के द्वारा कवि वास्तविक जीवन के किस पात्र का वर्णन कर रहा है?

उत्तर : 'धूल भागी घाघरा उठाए' पंक्ति के द्वारा कवि वास्तविक जीवन के उस परिवार की छोटी बालिका का वर्णन कर रहा है, जिस परिवार का पाहुन आ रहा है। पाहुन को आता देखकर वह बालिका उसके आने की सूचना घर पर देने के लिए अपना घाघरा उठाकर तेज़ी से घर की ओर भागती है।

प्रश्न 11 : 'बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की' पंक्ति में ग्रामीण जीवन की किस प्रथा की ओर संकेत किया गया है?

उत्तर : 'बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की' पंक्ति में ग्रामीण जीवन की कठोर परदा प्रथा की ओर संकेत किया गया है, जिसमें स्वयं पत्नी के भी सार्वजनिक रूप से सामने आकर कुछ कहने का निषेध है। यद्यपि आज यह प्रथा काफ़ी कुछ समाप्त होने की प्रक्रिया में है।

प्रश्न 12 : 'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की।'-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : **भाव-स्पष्टीकरण**–प्रेयसी अपने प्रियतम से क्षमा-याचना करती हुई कहती है कि ऐ मेरे प्रियतम! तुम मुझे क्षमा कर दो। मैं तो सोच बैठी थी कि अब तुम न आओगे। यद्यपि मैंने तुम पर अविश्वास किया, परंतु अब तो तुम जिस सज-धज के साथ मिलने आए हो, उससे तुम्हारे प्रति मेरे मन के सारे भ्रम दूर हो गए हैं।

प्रतीकार्थ यह है कि ग्रामवासी वर्षा और मेघों से निराश हो चले थे, परंतु उनका यह भ्रम तब मिट गया, जब उन्होंने आकाश में बादलों का जमघट देखा और फिर बाद में धारासार वर्षा होते देखी।

प्रश्न 13: 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : **भाव-स्पष्टीकरण**–बादलों के घुमड़ने से तेज़ हवा बही, जिससे नदी के जल में प्रवाह के विपरीत दिशा में तरंगें उठने से ऐसा लगा

जैसे नदी का प्रवाह एक क्षण के लिए रुक गया है और वह अपनी भौंह को तिरछा करके बादलों को देख रही है। नदीरूपी नायिका के मुख की यह चितवन स्पष्ट दिख रही है, जो कि हवा के चलने से पूर्व नहीं दिख रही थी, इससे लगता है कि अत्यधिक उत्सुकता में नदी-नायिका के मुख से घूँघट सरक गया है, जिस कारण उसकी तिरछी चितवन स्पष्ट दिख रही है।

प्रतीकार्थ यह है कि मेहमान के आने पर अत्यधिक उत्सुकता और हड़बड़ाहट में ग्रामवधुओं के मुख से घूँघट सरक गया है, जिससे उनका मेहमान को कनखियों से देखने का भेद खुल गया है।

प्रश्न 14 : 'बूढ़ा पीपल' और 'ताल' किस-किसके प्रतीक हैं? उन्होंने किन परंपराओं को निभाया है?

उत्तर : 'बूढ़ा पीपल' घर के बुजुर्ग का प्रतीक है। उसने उस ग्रामीण परंपरा को निभाया है, जिसमें घर के बड़े-बूढ़े आगे बढ़कर मेहमान का स्वागत करते हैं। 'ताल' घर के सेवक का प्रतीक है। वह मेहमान के पैर धुलवाने के लिए परात में पानी भरकर लाया है।

प्रश्न 15 : 'भ्रम की गाँठ खुलने' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'भ्रम की गाँठ खुलने' से आशय है–शंका दूर हो जाना। लोगों को यह शंका थी कि बादल केवल घिरे हैं, बरसेंगे नहीं, परंतु उनकी यह शंका गलत साबित हुई। बादल न केवल बरसे, वरन् ज़ोर से बरसे; अतः लोगों का भ्रम टूट गया। पृथ्वी-नायिका को यह भी भ्रम था कि अब बादलरूपी उसका प्रियतम मिलने नहीं आएगा, किंतु उसने आकर उसका यह भ्रम दूर कर दिया।

अभ्यास प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर-विकल्प चुनकर लिखिए–*

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की,
'बरस बाद सुधि लीन्हीं'-
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

1. मेघरूपी मेहमान का स्वागत किसने किया–
(क) बूढ़े आम ने (ख) बूढ़े बरगद ने
(ग) बूढ़े पीपल ने (घ) बूढ़े नीम ने।

2. 'बरस बाद सुधि लीन्हीं' में कौन-सा भाव निहित है–
(क) व्यंग्य का (ख) उपालंभ का
(ग) क्रोध का (घ) प्रसन्नता का।

3. लता किसकी ओट में होकर बोली–
(क) दीवार की (ख) परदे की
(ग) किवाड़ की (घ) इनमें से कोई नहीं।

4. परात में पानी भरकर कौन लाया–
(क) तालाब (ख) कुआँ
(ग) सागर (घ) इनमें कोई नहीं।

5. ताल परात में पानी भरकर क्यों लाया–
(क) मेघरूपी मेहमान को पिलाने के लिए
(ख) मेघरूपी मेहमान को नहलाने के लिए
(ग) मेघरूपी मेहमान के चरण धोने के लिए
(घ) स्वयं स्नान करने के लिए।

निर्देश–*दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–*

6. गली-गली में खिड़कियाँ-दरवाज़े क्यों खुलने लगे–
(क) ठंडी हवा के लिए
(ख) रास्ते में आते-जाते लोगों को देखने के लिए
(ग) बादल को देखने के लिए
(घ) उपर्युक्त कोई कारण ठीक नहीं।

7. ताल क्यों प्रसन्न हो गया–
(क) बादल को देखकर
(ख) मेघ बरसने से उसमें पानी भर गया था
(ग) मेहमान को देखकर
(घ) हवा को देखकर।

8. 'बयार' किसका पर्यायवाची है–
(क) बादल का (ख) जल का
(ग) हवा का (घ) आकाश का।

निर्देश–*दिए गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

9. बादलों के आने पर प्रकृति में जिन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया है, उन्हें लिखिए।

10. मेघरूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

11. 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

12. 'भ्रम की गाँठ खुलने' का आशय स्पष्ट कीजिए।